चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	12.9.26	4	7-8

कृषि उद्यम लगाने के लिए 25 लाख तक की ग्रांट, 21 तक करें आवेदन

एबिक ने कोहार्ट 8.0 के लिए आवेदन तिथि बढ़ाई

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। कृषि क्षेत्र की समस्याओं के नए और उपयोगी समाधान को व्यवसाय में बदलने के इच्छुक लोगों के लिए अच्छी खबर है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) स्थित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) ने पीएम-आरकेवीवाई नवाचार एवं कृषि उद्यमिता कार्यक्रम के कोहार्ट 8.0 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 21 सितंबर 2026 कर दी है।

हरियाणा के निवासी नवाचारी किसान, विद्यार्थी, शोधकर्ता, स्टार्टअप और उद्यमी आवेदन कर सकते हैं। चयनित और पात्र प्रतिभागियों को स्वीकृत प्रस्ताव और कार्यक्रम के प्रावधानों के अनुसार 25 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता अनुदान के तौर पर दी जाएगी।

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि हरियाणा में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में नवाचार व उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। युवाओं को कृषि समस्याओं को चुनौती के साथ नए समाधान और व्यवसाय के अवसर के रूप में देखना चाहिए। ऐसे प्रयास किसानों की समस्याओं का समाधान करने के साथ युवाओं के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी पैदा कर सकते हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे नवीन विचारों और तकनीकों को बढ़ावा देना है, जिन्हें हरियाणा में व्यावसायिक उद्यम के रूप में स्थापित किया जा सके। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप की शुरुआत हमेशा किसी बड़े आविष्कार से नहीं होती। किसान की रोजमर्रा की समस्या का सरल, उपयोगी और बड़े स्तर पर अपनाया जा सकने वाला समाधान भी सफल कृषि उद्यम की नींव बन सकता है। इसलिए ऐसे विचार रखने वाले युवाओं और किसानों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

कोहार्ट 8.0 में चयनित प्रतिभागियों को एक माह का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें एचएयू के वैज्ञानिकों के साथ उद्योग विशेषज्ञों और निवेशकों से मार्गदर्शन लेने का अवसर मिलेगा। प्रतिभागियों को तकनीक एवं उत्पाद विकास, व्यवसाय मॉडल तैयार करने, बाजार की समझ, निवेश की तैयारी और उद्यम संचालन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कौन कर सकता है आवेदन

हरियाणा के निवासी नवाचारी किसान, विद्यार्थी, शोधकर्ता, स्टार्टअप और उद्यमी आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के दौरान आवेदक को अपने विचार, तकनीक, उत्पाद या सेवा, संबंधित कृषि समस्या और उसके समाधान की जानकारी देनी होगी। प्राप्त आवेदनों की निर्धारित प्रक्रिया के तहत स्क्रीनिंग और मूल्यांकन किया जाएगा। आवेदन और विस्तृत जानकारी के लिए एचएयू की वेबसाइट hau.ac.in या दिए गए ऑनलाइन आवेदन लिंक के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	11.09.26	-----	----

हकृवि के एबिक ने आवेदन की अंतिम तिथि 21 सितंबर तक बढ़ाई

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। कृषि क्षेत्र की किसी वास्तविक समस्या का नया और उपयोगी समाधान आपके पास है, तो अब उसे व्यवसाय में बदलने का अवसर भी आपके पास है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार स्थित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) ने पीएम-आरकेवीवाई नवाचार एवं कृषि उद्यमिता कार्यक्रम के कोहार्ट 8.0 के लिए पूरे हरियाणा प्रदेश से आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 21 सितंबर 2026 निर्धारित कर दी गई है।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कहा कि हरियाणा में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में नवाचार और उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को कृषि की समस्याओं को केवल चुनौती के रूप में नहीं, बल्कि नए समाधान और व्यवसाय के अवसर के रूप में देखना चाहिए। ऐसे प्रयास किसानों की समस्याओं का समाधान करने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी पैदा कर सकते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे नवीन विचारों और तकनीकों को आगे बढ़ाना है, जिन्हें हरियाणा में ही व्यावसायिक उद्यम के रूप में स्थापित किया जा सके। हरियाणा के निवासी, नवाचारी किसान, विद्यार्थी, शोधकर्ता, स्टार्टअप व उद्यमी आवेदन कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	11.09.26	-----	----

हकृवि के एबिक ने आवेदन की अंतिम तिथि 21 सितंबर तक बढ़ाई

चयनित प्रतिभागियों को 25 लाख रूपए तक की मिल सकती है ग्रांट

नभ-छोर न्यूज ⏭ 11 सितंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार स्थित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) ने पीएम-आरकेवीवाई नवाचार एवं कृषि उद्यमिता कार्यक्रम के कोहार्ट 8.0 के लिए हरियाणा से आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 21 सितंबर निर्धारित कर दी गई है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कहा कि हरियाणा में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में नवाचार और उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को कृषि की समस्याओं को केवल चुनौती के रूप में नहीं, बल्कि नए समाधान और व्यवसाय के अवसर के रूप में देखना चाहिए। ऐसे प्रयास किसानों की समस्याओं का समाधान करने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी पैदा कर सकते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे नवीन विचारों और तकनीकों को आगे बढ़ाना है, जिन्हें हरियाणा में ही व्यावसायिक उद्यम के रूप में स्थापित किया जा सके। चयनित और पात्र स्टार्टअप्स को उनके स्वीकृत प्रस्ताव एवं कार्यक्रम के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार 25 लाख रूपए तक की वित्तीय सहायता अनुदान के तौर पर दी जाएगी। स्टार्टअप की शुरूआत हमेशा किसी बड़े आविष्कार से नहीं होती। किसान की रोजमर्रा की समस्या का सरल, उपयोगी और बड़े स्तर पर अपनाया जा सकने वाला समाधान भी एक सफल कृषि उद्यम की नींव बन सकता है। इसलिए जिन युवाओं और किसानों के पास ऐसा कोई विचार है, उन्हें इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आगे आना चाहिए।

एबिक में मिलेगा विचार को उद्यम बनाने का मार्गदर्शन

कोहार्ट 8.0 में चयनित प्रतिभागियों को एक माह का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्टार्टअप्स चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ-साथ उद्योग विशेषज्ञों और निवेशकों से सीधे मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। प्रतिभागियों को तकनीक एवं उत्पाद विकास, व्यवसाय मॉडल तैयार करने, बाजार की समझ, निवेश की तैयारी और उद्यम संचालन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया जाएगा।

कौन कर सकता है आवेदन

हरियाणा के निवासी, नवाचारी किसान, विद्यार्थी, शोधकर्ता, स्टार्टअप व उद्यमी आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को ऑनलाइन आवेदन करते समय अपने विचार/तकनीक/उत्पाद या सेवा, संबंधित कृषि समस्या और उसके समाधान की जानकारी देनी होगी। प्राप्त आवेदनों की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार स्क्रीनिंग एवं मूल्यांकन किया जाएगा। आवेदन एवं विस्तृत जानकारी के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	12.09.26	-----	----

हकृवि के एबिक ने आवेदन की अंतिम तिथि 21 सितंबर तक बढ़ाई

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 12 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) ने पीएम-आरकेवीवाई नवाचार एवं कृषि उद्यमिता कार्यक्रम के कोहार्ट 8.0 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 21 सितंबर 2026 कर दी है। कृषि क्षेत्र में रुचि रखने वाले हरियाणा के किसान, विद्यार्थी, शोधकर्ता, स्टार्टअप और उद्यमी आवेदन कर सकते हैं। चयनित पात्र स्टार्टअप्स को स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार 25 लाख रुपये तक की अनुदान राशि मिल सकती है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में नवाचार और उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। चयनित प्रतिभागियों को एक माह का विशेष प्रशिक्षण देकर वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों और निवेशकों से मार्गदर्शन दिलाया जाएगा। इसमें तकनीक व उत्पाद विकास, व्यवसाय मॉडल, बाजार, निवेश और उद्यम संचालन की जानकारी दी जाएगी। इच्छुक आवेदक विश्वविद्यालय की वेबसाइट या निर्धारित ऑनलाइन आवेदन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	12-9-26	5	7-8

हकृवि के एबिक ने आवेदन की अंतिम तिथि 21 तक बढ़ाई

हिसार, 11 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार स्थित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) ने पी.एम.-आर.के.वी.वाई.नवाचार एवं कृषि उद्यमिता कार्यक्रम के कोहार्ट 8.0 के लिए पूरे हरियाणा प्रदेश से आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 21 सितंबर 2026 निर्धारित कर दी गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	12.9.26	12	6-7

कृषि आइडिया को कारोबार में बदलने का मौका, एबिक में आवेदन 21 तक

- हरियाणा के किसान, युवा, विद्यार्थी व स्टार्टअप कर सकेंगे आवेदन
- चयनित प्रतिभागियों को 25 लाख तक की ग्रांट

हिसार। कृषि क्षेत्र की किसी समस्या का नया और उपयोगी समाधान आपके पास है तो उसे व्यवसाय में बदलने का मौका है। यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) ने पीएम-आरकेवीवाई नवाचार एवं कृषि उद्यमिता कार्यक्रम के कोहार्ट 8.0 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 21 सितंबर कर दी है। कार्यक्रम के तहत पूरे हरियाणा से कृषि उद्यम में रुचि रखने वाले किसान, युवा, विद्यार्थी, शोधकर्ता, स्टार्टअप और उद्यमी आवेदन कर सकते हैं। एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में नवाचार और उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। युवाओं को कृषि समस्याओं को चुनौती के साथ-साथ नए समाधान और व्यवसाय के अवसर के रूप में देखना चाहिए। चयनित और पात्र स्टार्टअप्स को स्वीकृत प्रस्ताव व निर्धारित प्रावधानों के अनुसार 25 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता अनुदान के रूप में दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	12-9-26	5	6-7

हकृवि के एबिक ने आवेदन की अंतिम तिथि 21 सितम्बर तक बढ़ाई

कृषि उद्यम में रुचि रखने वाले हरियाणा के निवासी कर सकते हैं आवेदन

हिसार, 11 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): कृषि क्षेत्र की किसी वास्तविक समस्या का नया और उपयोगी समाधान आपके पास है, तो अब उसे व्यवसाय में बदलने का अवसर भी आपके पास है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार स्थित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) ने पीएम-आरकेवीवाई नवाचार एवं कृषि उद्यमिता कार्यक्रम के कोहार्ट 8.0 के लिए पूरे हरियाणा प्रदेश से आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 21 सितम्बर 2026 निर्धारित कर दी गई है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कहा कि हरियाणा में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में नवाचार और उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को कृषि की समस्याओं को केवल चुनौती के रूप में नहीं, बल्कि नए समाधान और व्यवसाय के अवसर के रूप में देखना चाहिए। ऐसे प्रयास किसानों की समस्याओं का समाधान करने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी पैदा कर सकते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे नवीन विचारों और तकनीकों को आगे बढ़ाना है, जिन्हें हरियाणा में ही व्यावसायिक उद्यम के रूप में स्थापित किया जा सके। चयनित और पात्र स्टार्टअप्स को उनके स्वीकृत प्रस्ताव एवं कार्यक्रम के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार 25 लाख रूपए तक की वित्तीय सहायता अनुदान के तौर पर दी जाएगी। स्टार्टअप्स चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ-साथ उद्योग विशेषज्ञों और निवेशकों से सीधे मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। प्रतिभागियों को तकनीक एवं उत्पाद विकास, व्यवसाय मॉडल तैयार करने, बाजार की समझ, निवेश की तैयारी और उद्यम संचालन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। हरियाणा के निवासी, नवाचारी किसान, विद्यार्थी, शोधकर्ता, स्टार्टअप व उद्यमी आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को ऑनलाइन आवेदन करते समय अपने विचार/तकनीक/उत्पाद या सेवा, संबंधित कृषि समस्या और उसके समाधान की जानकारी देनी होगी। प्राप्त आवेदनों की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार स्क्रीनिंग एवं मूल्यांकन किया जाएगा।